झूला पडयो है कदम्ब की डार,
झुलावे ब्रज नारी,
ब्रज नारी रे ब्रज नारी,
ब्रज नारी सखियाँ सारी,
झूला पडयो हैं कदम्ब की डार,
झुलावे ब्रज नारी।।

रेशम की सखी डोरी पड़ी है,
मोतियन से कैसी पटरी जड़ी है,
वा में बैठे युगल सरकार,
झुलावे ब्रज नारी,
झूला पडयो हैं कदम्ब की डार,
झुलावे ब्रज नारी।।

मधुर मधुर श्याम बंसी बजावत,
बंसी बजावत रस बरसावत,
नन्ही नन्ही पड़त है फुहार,
झुलावे ब्रज नारी,
झूला पडयो हैं कदम्ब की डार,
झुलावे ब्रज नारी।।

श्याम राधिका झूला झूले,
गोपी ग्वाल देखे फुले,
सब गावत है मल्हार,

झुलावे ब्रज नारी,
झूला पडयो हैं कदम्ब की डार,
झुलावे ब्रज नारी।।

झूला पडयो है कदम्ब की डार,
झुलावे ब्रज नारी,
ब्रज नारी रे ब्रज नारी,
ब्रज नारी सखियाँ सारी,
Bhajan Diary Lyrics,
झूला पडयो हैं कदम्ब की डार,
झुलावे ब्रज नारी।।

स्वर बाबा श्री चित्र विचित्र जी महाराज।

Source: https://www.bharattemples.com/jhula-padyo-hai-kadamb-ki-daar/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw